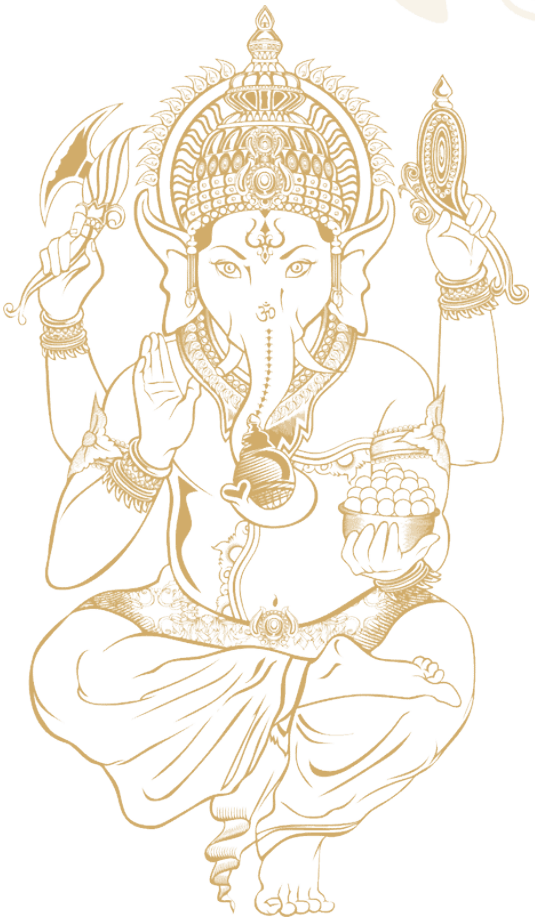

Nishant

Payal

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121623401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121623401 Date: 17/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16-17/03/1991	जन्म तिथि	04/12/1995
शनि-रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 01:15:00	जन्म समय	12:44:00 घंटे
घटी 46:38:06	जन्म समय(घटी)	14:31:00 घटी
India	देश	India
Udaipur	स्थान	Nanded
24:30:00 उत्तर	अक्षांश	19:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	77:21:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:20:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:35:45	सूर्योदय	06:39:31
18:36:03	सूर्यास्त	17:41:45
23:44:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:06

धनु	लग्न	कुम्भ
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मीन	राशि	मेष
गुरु	राशि-स्वामी	मंगल
उ०भाद्रपद	नक्षत्र	भरणी
शनि	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
2	चरण	2
शुक्ल	योग	परिघ
बव	करण	कौलव
थ-थानसिंह	जन्म नामाक्षर	लू-लूसी
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	चतुष्पाद
गौ	योनि	गज
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 12वर्ष 3मा 20दि		01:20:13	धनु	लग्न	कुंभ	21:29:47	शुक्र 14वर्ष 0मा 28दि	
केतु		01:58:48	मीन	सूर्य	वृश्चि	17:51:09	मंगल	
05/07/2020		08:01:52	मीन	चंद्र	मेष	17:16:51	01/01/2026	
06/07/2027		27:25:52	वृष	मंगल	धनु	09:01:13	01/01/2033	
केतु	02/12/2020	15:31:04	मीन	बुध	वृश्चि	24:00:03	मंगल	30/05/2026
शुक्र	01/02/2022	10:06:40	कर्क व	गुरु	वृश्चि	29:22:39	राहु	18/06/2027
सूर्य	08/06/2022	03:44:08	मेष	शुक्र	धनु	14:34:14	गुरु	24/05/2028
चन्द्र	08/01/2023	10:12:47	मक	शनि	कुंभ	24:19:58	शनि	03/07/2029
मंगल	06/06/2023	02:34:01	मक व	राहु व	तुला	01:59:46	बुध	30/06/2030
राहु	23/06/2024	02:34:01	कर्क व	केतु व	मेष	01:59:46	केतु	26/11/2030
गुरु	30/05/2025	19:37:37	धनु	हर्ष	मक	04:07:36	शुक्र	26/01/2032
शनि	09/07/2026	22:43:31	धनु	नेप	धनु	29:56:07	सूर्य	02/06/2032
बुध	06/07/2027	26:29:21	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	07:07:44	चन्द्र	01/01/2033

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:44:19 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:06

लग्न-चलित

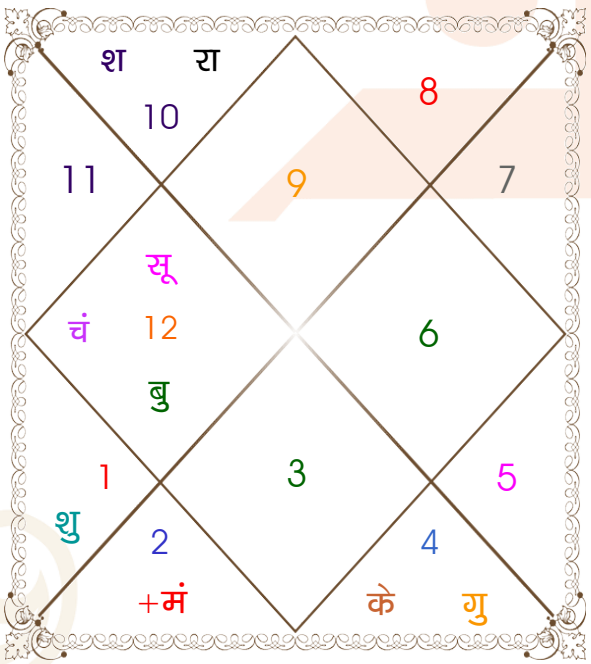

लग्न-चलित

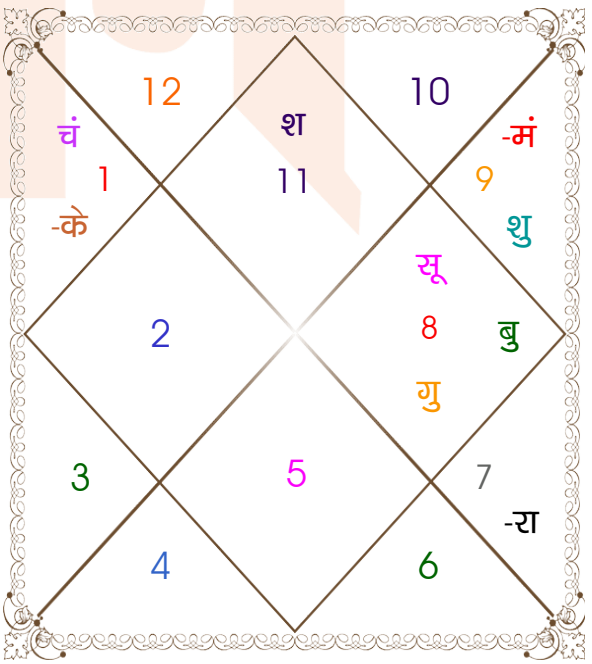

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

कुल : **17.5 / 36**

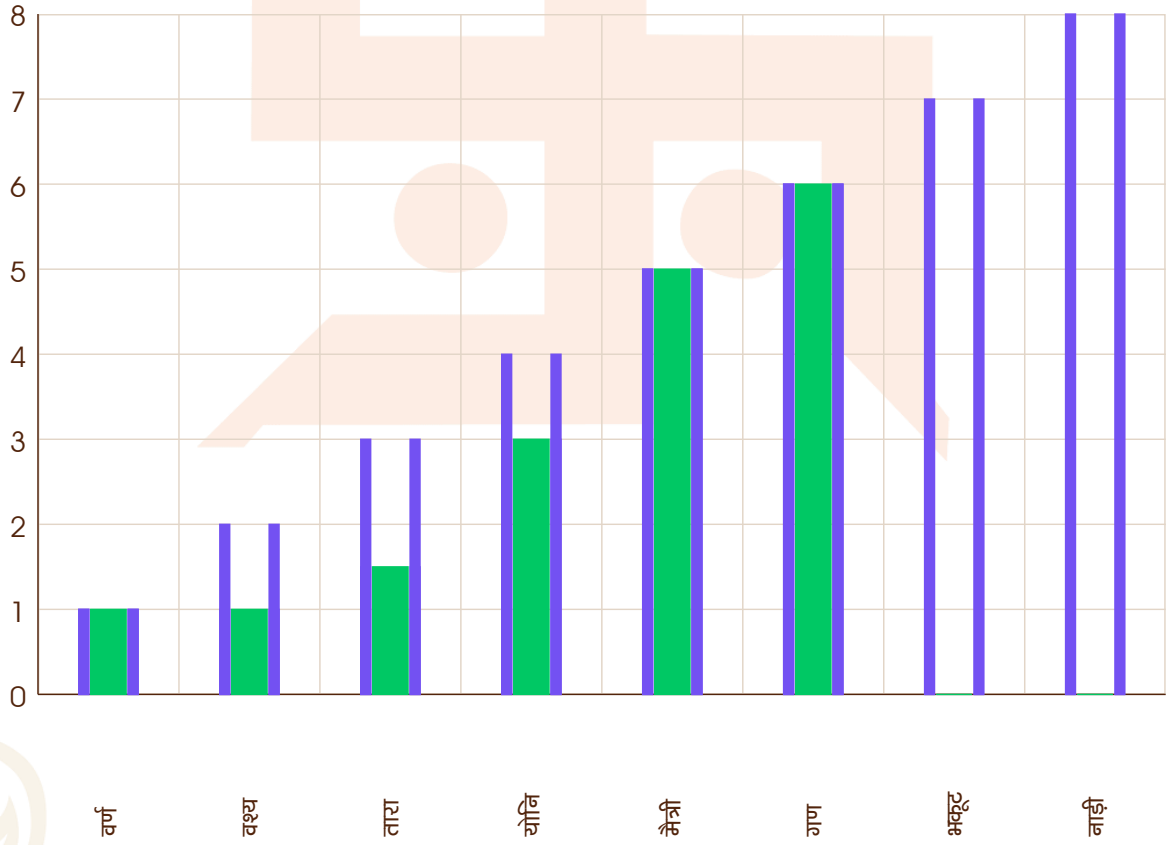

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

छर्पोंदज का वर्ग सर्प है तथा Payal का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छर्पोंदज और Payal का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

छर्पोंदज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Payal मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

छर्पोंदज तथा Payal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

छर्पोंदज का वर्ण ब्राह्मण तथा Payal का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से Payal में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर Payal आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। Payal सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

छर्पोंदज का वश्य जलचर है एवं Payal का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

छर्पोंदज की तारा वध तथा Payal की तारा क्षेम है। छर्पोंदज की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। छर्पोंदज बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। छर्पोंदज को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Payal लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

छर्पोंदज की योनि गौ है तथा Payal की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में

सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में छर्पोंदज एवं Payal दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि छर्पोंदज एवं Payal के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण छर्पोंदज एवं Payal जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

छर्पोंदज का गण मनुष्य तथा Payal का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

छर्पोंदज से Payal की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Payal से छर्पोंदज की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण छर्पोंदज गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Payal समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर छर्पोंदज शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

छर्पोंदज की नाड़ी मध्य है तथा Payal की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में छर्पोंदज एवं Payal का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

छर्पोंदज की जन्मराशि जलतत्व युक्त मीन तथा Payal की राशि अग्नितत्व युक्त मेषराशि है। जल एवं अग्नितत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनमें स्वभावगत विषमता रहेगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता की न्यूनता रहेगी अतः यह मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

छर्पोंदज की जन्मराशि का स्वामी बृहस्पति तथा Payal की राशि का स्वामी मंगल परस्पर मित्रराशियों में स्थित हैं । अतः इसके प्रभाव से इनके दाम्पत्य संबंधो में मधुरता रहेगी तथा परस्पर प्रेम आकर्षण सहानुभूति तथा समर्पण का भाव होगा। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। ये दोनों अच्छे मित्रों की तरह एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः मतभेद एवं वैमनस्य के भाव की न्यूनता रहेगी तथा एक आदर्श एवं सौभाग्यशाली दम्पति के रूप में अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करेंगे।

छर्पोंदज और Payal की राशियां परस्पर द्वितीय तथा द्वादश भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह एक भकूट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभप्रभावों में न्यूनता आएगी तथा अशुभ प्रभावों में वृद्धि होगी फलतः आपसी संबंधों में यदा कदा तनाव मतभेद तथा विरोध के भाव की उत्पति होगी जिससे दाम्पत्य संबंधो में तनाव उत्पन होगा तथा पारिवारिक अशान्ति भी बनी रहेगी परन्तु छर्पोंदज और Payal दोनों बुद्धिमता एवं सामंजस्य की प्रवृति का भी अनुपालन भी करेंगे।अतः अशुभ प्रभावों में न्यूनता आ सकती है।

छर्पोंदज का वश्य जलचर तथा Payal का वश्य चतुष्पद है। अतः इनमें नैसर्गिक विषमता के कारण इनकी अभिरूचियों में अन्तर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएँ भिन्न होंगी। साथ ही कामसम्बंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं संतुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे। अतः सम्बंध तनाव युक्त रहेंगे।

छर्पोंदज का वर्ण ब्राह्मण तथा Payal का वर्ण क्षत्रिय है। अतः छर्पोंदज की प्रवृति धार्मिक तथा शैक्षणिक कार्यो में रहेगी परन्तु Payal साहसिक तथा पराक्रमी कार्यो को करने में तत्पर रहेंगी फलतः कार्य क्षेत्र में भी स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

छर्पोंदज और Payal की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया छर्पोंदज और Payal समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Payal की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी

तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही छर्पोंदज भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए छर्पोंदज और Payal को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

छर्पोंदज और Payal दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इन दोनों पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। इससे छर्पोंदज और Payal दोनों उदर संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे जिससे लीवर विशेष प्रभावित रहेगा। परन्तु मंगल का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः इससे कष्ट की गंभीरता में न्यूनता आएगी परन्तु सामान्य कष्ट वे समय समय पर प्राप्त करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस दोष के प्रभाव से छर्पोंदज को धातु संबंधी तथा Payal को मासिक धर्म संबधी परेशानी हो सकती है। अतः उत्तम वैवाहिक दृष्टि से यह मिलान अनुकूल नहीं होगा जिससे यत्नपूर्वक इसकी उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से छर्पोंदज और Payal का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त छर्पोंदज और Payal के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Payal के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Payal को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Payal को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से छर्पोंदज और Payal सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार छर्पोंदज और Payal का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Payal के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Payal के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Payal अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता

पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Payal के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

छर्पोंदज की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर छर्पोंदज सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन छर्पोंदज ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का छर्पोंदज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।